**भारत सरकार**

**वस्‍त्र मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 2694**

**19 मार्च, 2018 को उत्‍तर दिए जाने के लिए**

**पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेशम का उत्पादन**

**2694. श्री संजय सेठः**

**क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) पिछले तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष तथा वर्तमान वर्ष के दौरान देश में राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार कुल कितने रेशम का उत्पादन किया गया;

(ख) क्या सरकार ने उक्त अवधि के दौरान रेशम उत्पादन में किसी निरंतर वृद्धि पर ध्यान दिया है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं;

(घ) क्या सरकार रेशम उत्पादकों एवं रेशमी वस्त्रों के विनिर्माताओं को कोई विशेष पैकेज/राजसहायता प्रदान करने तथा रेशम उद्योग विशेषकर पूर्वोत्तर क्षेत्र के रेशम उद्योगों को बढ़ावा देने का विचार रखती है;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(च) क्या सरकार ने पूर्वोत्तर में रेशम-उत्पादन पर विशेष जोर देने का निर्णय लिया है; और

(छ) यदि हां, तो इस प्रयोजनार्थ कितनी राशि आवंटित की गई है?

**उत्‍तर**

**वस्‍त्र राज्‍य मंत्री**

**(श्री अजय टम्‍टा)**

**(क):** विगत 3 वर्षों और चालू वर्ष के लिए कच्‍ची रेशम उत्‍पादन पर राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार सूचना निम्‍नलिखित है:-

| क्र.सं. | **राज्य/संघ राज्य क्षेत्र** | 2014-15 | 2015-16 | 2016-17 | 2017-18(प्रत्‍याशित) |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|
| 1 | कर्नाटक | 9645 | 9823 | 9571 | 11120 |
| 2 | आंध्र प्रदेश | 6485 | 5086 | 5970 | 6090 |
| 3 | असम | 3222 | 3325 | 3811 | 4705 |
| 4 | झारखंड | 1946 | 2284 | 2631 | 2744 |
| 5 | पश्चिम बंगाल | 2500 | 2391 | 2565 | 2590 |
| 6 | तमिलनाडु | 1602 | 1898 | 1914 | 2000 |
| 7 | मेघालय | 656 | 857 | 927 | 1070 |
| 8 | नागालैंड | 619 | 631 | 678 | 770 |
| 9 | मणिपुर | 516 | 519 | 529 | 560 |
| 10 | छत्‍तीसगढ़ | 234 | 263 | 361 | 405 |
| 11 | महाराष्‍ट्र | 221 | 274 | 259 | 328 |
| 12 | उत्‍तर प्रदेश | 236 | 256 | 269 | 300 |
| 13 | मध्‍य प्रदेश | 248 | 257 | 111 | 230 |
| 14 | जम्‍मू एवं कश्‍मीर | 138 | 127 | 145 | 180 |
| 15 | तेलंगाना | 101 | 116 | 119 | 160 |
| 16 | ओडिशा | 98 | 117 | 125 | 140 |
| 17 | मिजोरम | 50 | 64 | 76 | 100 |
| 18 | बि‍हार | 53 | 67 | 77 | 85 |
| 19 | त्रिपुरा | 48 | 52 | 75 | 85 |
| 20 | अरुणाचल प्रदेश | 12 | 37 | 45 | 58 |
| 21 | उत्‍तराखंड | 29 | 30 | 34 | 44 |
| 22 | हिमाचल प्रदेश | 30 | 32 | 32 | 40 |
| 23 | सिक्किम | 8 | 6 | 9 | 17 |
| 24 | केरल | 7 | 11 | 11 | 12 |
| 25 | पंजाब | 4 | 0.8 | 3 | 6 |
| 26 | हरियाणा | 0.3 | 0.6 | 1 | 2 |
| कुल |  28,708 | 28,523 | 30,348 | 33,840 |

**(ख) और (ग):** जी, हां। विगत 5 वर्षों के दौरान रेशम क्षेत्र की प्रगति के आधार पर, रेशम क्षेत्र की अनुमानित संचयी वार्षिक वृद्धि दर 6.40% है।

**(घ) से (छ):** उत्‍तर-पूर्व क्षेत्र में रेशम क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार ने एक महत्‍वपूर्ण योजना ‘उत्‍तर-पूर्व क्षेत्र वस्‍त्र संवर्धन योजना’ (एनईआरटीपीएस) के अंतर्गत उत्‍तर-पूर्व क्षेत्र के लिए एक परियोजना आधारित रणनीति अनुमोदित की है। एनईआरटीपीएस के अंतर्गत वस्‍त्र क्षेत्र की विभिन्‍न परियोजनाओं के मध्‍य दो बड़ी श्रेणियों अर्थात एकीकृत रेशम कीट पालन विकास परियोजना (आईएसडीपी) और गहन बाइवोल्‍टाइन रेशम कीट पालन विकास परियोजना (आईबीएसडीपी) के अंतर्गत रेशम परियोजनाओं को अनुमोदित किया गया है। इन दो परियोजनाओं का उद्देश्‍य उत्‍पादन श्रृंखला के प्रत्‍येक चरण में मूल्‍य संवर्धन के साथ बागान विकास से फैब्रिक का उत्‍पादन तक इसके सभी क्षेत्रों में रेशम कीट पालन का समग्र विकास करना है। इन परियोजनाओं के उद्देश्‍य आवश्‍यक अवसंरचना तैयार करके उत्‍तर पूर्व क्षेत्र में व्‍यवहार्य वाणिज्यिक कार्यकलाप के रूप में रेशम कीट पालन की स्‍थापना करना और रेशम उत्‍पादन मूल्‍य श्रृंखला में रेशम कीट पालन और सहायक कार्यकलापों के लिए स्‍थानीय लोगों को कौशल उन्‍नयन प्रदान करना है।

रेशम कीट पालन के लिए सभी उत्‍तर-पूर्व राज्‍यों में मलबरी, एरी और मूगा क्षेत्रों को शामिल करते हुए 24 परियोजनाएं अनुमोदित की गई हैं। इन परियोजनाओं की कुल लागत वर्ष 2014-15 से 2018-19 तक क्रियान्‍वयन के लिए 690.01 करोड़ रुपए की भारत सरकार की हिस्‍सेदारी के साथ 819.19 करोड़ रुपए है। इन परियोजनाओं से परियोजना अवधि के दौरान 2285 मीट्रिक टन कच्‍चे रेशम के अतिरिक्‍त उत्‍पादन और 46094 परिवारों को शामिल करते हुए प्रति वर्ष 1100 मीट्रिक टन रेशम के योगदान की आशा है जिससे लगभग 2.30 लाख व्‍यक्तियों के लिए रोजगार पैदा होगा। अनुमोदित 24 परियोजनाओं के लिए फरवरी, 2018 तक (2017-18) भारत सरकार ने 690.01 करोड़ रुपए की भारत सरकार की अनुमोदित हिस्‍सेदारी की तुलना में उत्‍तर-पूर्व राज्‍यों के लिए 549.38 करोड़ रुपए जारी किए हैं। 140.63 करोड़ रुपए की शेष धनराशि 2017-18 की शेष अवधि और 2018-19 के लिए निर्धारित की गई है।

\*\*\*\*